RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना समाचार

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 2 अंक 10 | मूल्य - रू.1/- | अक्टूबर 2017 | पृष्ठ - 8

विश्व अहिंसा दिवस एवं गांधी जयंती

2 अक्टूबर, 2017

अहिंसा : महावीर से महात्मा तक

देख तेरे संसार की हालत
क्या हो गई भगवान,
कितना हिंसक हो गया इंसान

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से.....2
मंथन: महात्मा गांधी की अहिंसा बनाम जैन दर्शन.....3
महाराष्ट्र राज्याध्यक्ष का गहन समाज संपर्क : रिपोर्ट..4
बीजेएस परिचय सम्मेलन, FJEI गतिविधियाँ.....5
स्मार्ट गर्ल कार्यशालाएं : रिपोर्ट.....6
अल्पसंख्यक सूचनाएं, स्वच्छता अभियान.....7

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से

प्रिय आत्मजन,

गत माह डोकलाम सीमा विवाद के मामले में भारतीय सेना को पीछे हठ करने हेतु चीन द्वारा धाक धमकी से दबाव बनाने का प्रयास किया गया, किन्तु भारत टस से मस नहीं हुआ, फलस्वरूप चीन को उसकी सेनाएँ इस क्षेत्र से वापस बुलानी पड़ी. नि:संदेह आंशिक युद्ध का खतरा टला व देशवासियों ने चैन की श्वांस ली. इस घटना के तुरंत पश्चात 5 देशों के संगठन 'ब्रिक्स' का 9वां वार्षिक अधिवेशन 3 से 5 सितंबर, 2017 को चीन के शियामेन शहर में आयोजित हुआ. भारत ने विश्व शांति एवं अहिंसक वातावरण के निर्माण व आतंकवाद की समाप्ति हेतु पाक स्थित अनेक आतंकवादी संगठनों के विरुद्ध निर्णयात्मक कार्यवाही करने का प्रस्ताव रखा. शियामेन घोषणापत्र में ब्रिक्स देशों ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के समक्ष यह मांग की है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंक विरोधी मंच गठित किया जाये. आतंकी कृत्यों व षडयंत्रों को समर्थन या आर्थिक सहायता करते व्यक्तियों, संगठनों एवं देशों के विरुद्ध कार्यवाही की जाये. अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तानी आतंक के समर्थक चीन को भी इस प्रस्ताव पर सहमत होना पड़ा है, जिससे निश्चित ही आतंकवाद के विरुद्ध भारतीय अभियान को नव-वैश्विक समर्थन प्राप्त होगा.

बुलेट ट्रेन अब अपने देश में आ रही है. जापान के प्रधानमंत्री श्री शिंजों अबे देश के मेहमान बने. अहमदाबाद से मुंबई हेतु बुलेट ट्रेन की इस परियोजना का भूमिपूजन अहमदाबाद में 14 सितंबर, 2017 को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के करकमलों से हुआ. क्या आवश्यकता है और क्यों लाई जा रही है ? हमें इसकी जरूरत नहीं है. इस तरह की परियोजनाएं, आर्थिक दृष्टि से देश के हित में नहीं हैं. ऐसे संवादों, टीका-टिप्पणियों, अभियक्तियों एवं रिपोर्टों की भरमार अखबारों तथा सोश्यल मीडिया की सुर्खियों में है. किन्तु क्या वास्तव में हमें एसी परियोजनाओं की आवश्यकता नहीं है ? समय बदलाव का है और हमें समय के साथ चलना सीखना ही होगा. गति आधुनिक युग की देन है जिसे प्रगति व राष्ट्र निर्माण हेतु अपनाना आवश्यक है. हम नि:संदेह अमेरिका, जापान एवं चीन जैसे देशों से वर्षों पीछे हैं क्योंकि वे मात्र समय के साथ चले हीं नहीं अपितु समय की गति को समझा, मापा तथा कदम से कदम मिलकर चलने का हुनर प्राप्त किया. बुलेट ट्रेन देश में हो या न हो यह इतना महत्वपूर्ण नहीं किन्तु भविष्य का भारत कैसा हो, यह अधिक महत्वपूर्ण ही नहीं अपितु सर्वोपरि मुद्दा है. बढ़ती अपार जनसंख्या व उसकी मूलभूत आवश्यकताओं के मद्देनजर ही परियोजनाओं का निर्माण समय की मांग है. देश के प्रबुद्ध नागरिक स्वयं तय करें कि 21वीं शताब्दी के प्रगतिशील भारत का चित्र कैसा बनाना है ?

2 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जन्म जयंती प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मनाने की औपचारिकताएँ पूर्ण की गई, क्योंकि अब हम गांधीजी को उनके जन्म दिन या पुण्यतिथि, राष्ट्रीय पर्वों पर भाषणों के माध्यम से या उनकी प्रतिमाओं के अनावरण पर ही उन्हें स्मरण करते हैं या फिर कड़क नोटों पर छपे उनके चित्र के दर्शन कर स्वयं को धन्य मान बैठते हैं. गांधीजी भारत के ही नहीं अपितु विश्व मानव थे क्योंकि उनकी विचारधारा आज भी प्रासंगिक है. गांधीजी 'अहिंसा परमों धर्म' के प्रचारक थे. सत्य, अहिंसा, क्षमा, सादगी, संयम एवं अपरिग्रह को उन्होने स्वयं के जीवन में अपनाया और गांधी से महात्मा गांधी बन गए. आतंक, अशांति, हिंसा और युद्धों के कारण विनाश के कगार पर खड़ा यह विश्व अहिंसा के पुजारी गांधी की विचारधारा को समझे तथा अनुशरण करे, यह मानवता के हित में है. ऐसे महान् नायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं. हमारा यह अंक उन्हें समर्पित है.

मित्रों ! भारतीय जैन संघटना प्रारंभकाल से ही जीवदया, पर्यावरण रक्षा, अहिंसा, परस्परोपग्रह जीवानाम, जियो और जीने दो के सिद्धांतों एवं आदर्शों पर कार्यरत रहा है. सामाजिक उत्थान विकास के साथ राष्ट्र निर्माण में अविरत रूप से जुड़े रहना बीजेएस की विशिष्ट कार्यशैली का हिस्सा है. महात्मा गांधी स्वच्छता के आग्रही ही नहीं थे अपितु स्वयं स्वच्छता कार्य उनकी दैनिक चर्या का भाग रहा. स्वच्छता का प्रत्यक्ष संबंध हमारे स्वास्थ्य से जुड़ा है वहीं यह हमारी आदर्शमयी जीवन पद्धति का द्योतक है. सरकार द्वारा चलाया जा रहा स्वच्छ भारत अभियान समय की मांग है जिससे जुड़ना हम सभी का नागरिक कर्तव्य है. गांधी जयंती पर आत्महत्याग्रस्त किसान परिवारों के 700 से अधिक बीजेएस विद्यालय, पुणे में अध्ययनरत युवा विद्यार्थियों ने आदरणीय शांतीलालजी मुथ्था के नेतृत्व में बीजेएस द्वारा आयोजित पुणे के चतुश्रृंगी मंदिर परिसर एवं सेनापति बापट मार्ग क्षेत्र में पूरे दिन सफाई अभियान में भाग लेकर आदरणीय बापू के स्वच्छ एवं आदर्श भारत के निर्माण के स्वप्न को साकार करने के प्रयास के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की.

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुंवा जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई **सुरेश कोठारी**, अहमदाबाद **सुदर्शन जैन**, बड़नेरा, **वीरेंद्र जैन**, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, **संजय सिंघी**, रायपुर, **राजेंद्र लुंकड़**, इरोड़

मंथन

महात्मा गांधी की अहिंसा बनाम जैन दर्शन

सृष्टि एवं मानवता के सफल एवं स्थाई अस्तित्व हेतु पंचमहाभूत की आवश्यकता के महत्व से हम सभी परिचित हैं. किन्तु इससे भी अधिक आवश्यक तत्व 'अहिंसा' है जिसके बिना शांतिमय विश्व की कल्पना ही निरर्थक हैं. मानव सभ्यताओं के क्रमिक विकास के साथ-साथ विभिन्न धर्म एवं संस्कृतियां भिन्न-भिन्न कालों में विश्व समुदाय को पोषित करती रही हैं. यह भी वास्तविकता है कि अहिंसा एवं शांति मे ही सभी धर्मों का सार निहित है. सृष्टि के समस्त जीव तथा प्रकृति परस्पर एक-दूसरे पर अवलंबित हैं जिसमें सहयोग एवं सहकार के साथ करुणा एवं दया की महत्वपूर्ण भूमिका है, किन्तु पृथ्वी पर सर्वाधिक चतुर प्राणी मनुष्य मर्यादाओं का उस सीमा तक उल्लंघन करने का आदि हो चुका है कि सृष्टि के अन्य जीव व प्रकृति के अस्तित्व पर उसने अनेक प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिये हैं.

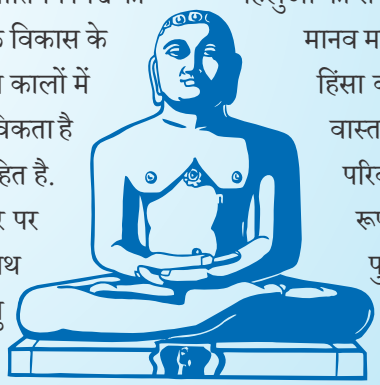

'परस्परोपग्रहों जीवानाम' के मूलमंत्र को प्रस्तुत करने वाले जैन धर्म एवं दर्शन के सार्वभौमिक एवं सार्वकालिक सत्य आदि के सिद्धांतों ने विगत सहस्त्रों वर्षों मे विश्व शांति की स्थापना मे अनन्य योगदान से 'वसुधेव कुटुंबकम' भावना की ज्योति को प्रज्जवलित किया है. जैन धर्म के अंतिम प्रवर्तक भगवान महावीर स्वामी द्वारा अहिंसा एवं अनेकांत के सिद्धांतों की प्रस्तुति एवं सूक्ष्म विवेचना से समस्त विश्व प्रभावित ही नहीं लाभान्वित भी हुआ. उनके द्वारा प्रस्थापित सिद्धान्त अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अचौर्य एवं ब्रम्हचर्य शांतिमय जीवन की कल्पना को यथार्थता प्रदान करते रहे हैं. वास्तविकता तो यह है कि मानव इतिहास में भगवान महावीर के समकक्ष निपुण समाजशास्त्री अन्य कोई हुआ ही नहीं, क्योंकि उन्होने, ईर्ष्या एवं घृणा की भावना को हिंसा की श्रेणी में रखा व शारीरिक, शाब्दिक व मानसिक हिंसा को वर्गीकृत कर समस्त मानव समुदाय हेतु अहिंसक पथ प्रशस्त किया जो मानव समाज की शांतिमय, सौहार्दपूर्ण एवं प्रगतिशील यात्रा हेतु नितांत आवश्यक है.

महात्मा गांधी जैसे महामानव ने जैन दर्शन को समझा और आत्मसात कर दैनिक जीवन में व्यवहार स्वरूप स्वीकार किया और साथ ही इन सिद्धांतो की मानव कल्याण एवं शांतिमय जीवन हेतु उपयोगिता को प्रस्थापित कर समस्त विश्व को प्रभावी संदेश दिया. उन्होने यह प्रमाणित किया कि अहिंसा मात्र आध्यात्मिक शक्ति नहीं है, अपितु सामाजिक, राजकीय एवं आर्थिक शक्ति भी है. गांधी के अनुसार अहिंसा वह आकाश है जिसमें मानव संस्कृतियों के समस्त पहलुओं का समावेश है तथा अविरत एवं क्रमिक हृदय परिवर्तन से मानव मानसिकता को बदलने का कारगर शस्त्र है. दुर्भाग्य से हिंसा को क्रांति के साथ जोड़ दिया जाता रहा है, जबकि वास्तविकता तो यह है कि हिंसक घटनाएँ क्रांति या परिवर्तन नहीं ला सकती. विचारों को हिंसा से अस्थाई रूप से दबाया जा सकता है किन्तु अवसर मिलते ही वह पुनः प्रकट होती है. अहिंसा मानव चित्त में वैचारिक और भावनात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम है अतः क्रांति के साथ अहिंसा उपयुक्त लगती है. गांधीजी ने सत्याग्रह, भारत छोड़ो आंदोलनों में अहिंसा का प्रयोग कर अंग्रेज़ी हुकूमत को घुटने टेकने पर विवश किया था.

भगवान महावीर ने अहिंसा के वृहद् स्वरूप के चित्रण में सार्वभौमिक परस्पर अवलंबन की जिस संकल्पना को प्रस्तुत किया उसे अनेकांतवाद या विविध दृष्टिकोणों के सिद्धान्त के रूप में जाना गया. विश्व को बहुमुखी, परिवर्तनशील वास्तविकताओं की अनंतताओं के नजरिए से समय, स्थान एवं प्रकृति के अनुरूप देखना या समझना ही अनेकांत है.

गांधीजी का जीवन सत्य के प्रयोगों से भरपूर रहा. अजेय शस्त्र अहिंसा का प्रयोग उन्होंने असहयोग आंदोलन मे किया. अनेकांत के सिद्धान्त को उन्होंने समझा ही नहीं आत्मसात भी किया, फलस्वरूप उन्हें वह दिव्य दृष्टि प्राप्त हुई जिससे वह उनके आलोचकों को समझे ही नहीं अपितु उन्हें प्रेम भी करने लगे.

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अहिंसा की आवश्यकता एवं महत्व को नजरअंदाज़ करने की भूल सदियों से मानव करता आ रहा है. हिंसा की होली अब मानव रक्त से प्रतिदिन खेली जा रही है जिसमें घृणा व बदले की भावना प्रबल होती जा रही है. धार्मिक जुनून सभी सीमाओं को तोड़ चुका है और पूरा विश्व आतंकवाद के साये में डरा-डरा और सहमा-सहमा है. मानव की बढ़ती स्वार्थी प्रवृत्ति ने भी सृष्टि के अस्तित्व को ललकारा है. वन्य जीव एवं वनस्पति के प्रति बढ़ती हिंसा मानव सभ्यताओं को विनाश की तरफ ले जा रही है. आदर्श तथा शांतिमय जीवन-यापन के प्रति अस्पष्ट एवं बिनुत्तरदायी वैचारिकी की भीषण तपिश से समस्त सृष्टि तप रही है. अब भी समय है, समस्त विश्व एवं मानव सभ्यताएँ पनप चुकी जटिलताओं को समझे, समाधानकारी निर्णय ले और अहिंसा के पथ का चयन करे. आज भी महावीर और अहिंसा के सिद्धान्त उतने ही प्रासंगिक हैं जिन्हें जन-जन तक ले जाना होगा. आदरणीय बापू ने सत्य और अहिंसा के प्रयोग से असंभव को संभव कर दिखाया था. क्या हम महात्मा गांधी के पुनः आगमन की प्रतीक्षा में हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेंगे या प्रणेता बन कर उस नव अहिंसक क्रांति का उद्घोष करेंगे जिससे हम ही नहीं हमारी भावी पीढ़ियों भी सुरक्षित रह सकेगी. वैश्विक हिंसक समस्याओं के परिप्रेक्ष्य में अनेकांत एवं सापेक्षता के सिद्धान्त को विश्व समझे यह हम सभी के हित में है.

महाराष्ट्र राज्याध्यक्ष का गहन समाज संपर्क

भारतीय जैन संघटना, महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष श्री अमर गांधी का राज्य संपर्क दौरा कार्यक्रम दिनांक 11 से 20 सितम्बर के बीच संपन्न हुआ. महाराष्ट्र के मराठवाडा विभाग के 9 जिले के 44 गाँव/शहर के दौरे में राज्य प्रभारी श्री हस्तीमल बंब-जालना, राज्य सचिव श्री महेन्द्र मंडलेचा-चन्द्रपुर, विभागीय और जिला पदाधिकारी साथ रहे. इस दौरे से संघटना द्वारा जैन/ जन समाज के उत्थान के लिए किये जाने वाले कार्यों और योजनाओं की जानकारी जैन समाज को मिलने से समाज मे खुशी और नव चैतन्य का माहौल बना.

दौरे मे सोलापुर जिले के बार्शि, कुर्दुवाडी, मोडनिब, पंढरपुर में. उस्मानाबाद जिले के अंदुर, नलदुर्ग, कलंब, कपिलापुरी मे. लातुर जिले के मुरुड, शिरुर अनंतपाल, लातुर में .बीड जिले के अंबाजोगाई,परली वैजीनाथ,माजलगाव,गेवराई मे. बीड जिले के शिरूर, पाटोदा, आष्टी, कड़ा मे. औरंगाबाद जिले के गंगापुर, वैजापुर, लासुर, सिल्लोड में जालना जिले के भोकरदन, बदनापुर, अंबड, कु पिपलगाव,परतुर, मंठा में. परभणी जिले के जितुर, सेलु, गंगाखेड, पुर्णा, परभणी में. नादेड जिले के उमरी, लोहा, नादेड में. हिंगोली जिले के हिंगोली, शिरूड शाहपुरा, डिग्रस, कराडे, शेणगांव, कलमनुरी में सभायें सम्पन्न हुई.

पिपलगांव

जालना

बीड

सोलापुर

लातूर

पंढरपुर

युगल सक्षमीकरण प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

युगल सक्षमीकरण प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला, मैसूर (कर्नाटक), 9-10 सितम्बर 2017
प्रतिभागी- 24 प्रशिक्षणार्थी 35 दंपत्ति, प्रशिक्षक- श्री राजेंद्र लुंकर,इरोड

युगल सक्षमीकरण कार्यशालायें

युगल सक्षमीकरण कार्यशाला, चैन्नई (तमिलनाडू), 30 सित.-1 अक्टू., 2017
प्रतिभागी-10 दंपत्ति, प्रशिक्षक- श्री संजय सिंघी, रायपुर

युगल सक्षमीकरण कार्यशाला, जयपुर (राजस्थान), 2-3 सितम्बर, 2017
प्रतिभागी-28 दंपत्ति, प्रशिक्षक- श्री सुधीर कोचर, भोपाल

बीजेएस परिचय सम्मेलन

वैवाहिक समस्याओं पर वर्षों से कार्यरत भारतीय जैन संघटना

गत 30 वर्षों से आदरणीय श्री शांतीलालजी मुथ्था के निर्देशन मे भारतीय जैन संघटना समाज की वैवाहिक समस्याओं पर कार्यरत है. बदले हुए सामाजिक परिवेश में वैवाहिक रिश्ते तय करने में परिवारजन अनेक कठिनाईयों का सामना करने को बाध्य हैं. इस समस्या के समाधान में अनेक राज्यों में बड़ी संख्या में परिचय सम्मेलनों का आयोजन बीजेएस द्वारा नियमित रूप से किया जाता है, जिसे समाजजन द्वारा पसंद किया जा रहा है क्योंकि वर्गीकृत एवं विशिष्ट परिचय सम्मेलनों व मेट्रीमोनियाल गेट टू गेदर के आयोजन समय की मांग के अनुरूप किए जा रहे हैं. गत 1 माह में 4 राज्यों में 6 परिचय सम्मेलनों का आयोजन समाज की आवश्यकताओं के मद्देनजर किए गए जो निश्चित ही एक रचनात्मक प्रयास है.

परिचय सम्मेलन-'चयन', उज्जैन, 17 सितम्बर, 2017
प्रत्याशी पंजीयन - 239, सूत्रधार-श्री अनिल रांका, इंदौर

परिचय सम्मेलन-पुणे, 24 सितम्बर, 2017, प्रत्याशी पंजीयन - 97
सूत्रधार - श्रीमती सुरेखा बेताळा व श्रीमती मृदुला चोरडिया, पुणे

परिचय सम्मेलन, बंगलौर, 24 सितम्बर,2017
प्रत्याशी पंजीयन-93, सूत्रधार-श्री अनिल रांका, इंदौर

परिचय सम्मेलन, नागपुर, 1अक्टूबर, 2017
प्रत्याशी पंजीयन-203, सूत्रधार-श्री रजनीश जैन, नागपुर

पुनर्विवाह परिचय सम्मेलन, इंदौर 2 अक्टूबर, 2017, प्रत्याशी पंजीयन-350, सूत्रधार-श्री अनिल रांका, इंदौर

परिचय सम्मेलन, वर्धा, 17 सितम्बर,2017
प्रत्याशी पंजीयन-249, सूत्रधार-श्री रजनीश जैन, नागपुर

आगामी परिचय सम्मेलन

भारतीय जैन संघटना, उदयपुर (राजस्थान)

रविवार, 22 अक्टूबर, 2017

रिश्तों की नई पहल - चयन - 2017

राष्ट्रीय सकल जैन उच्च शिक्षित युवक-युवती परिचय सम्मेलन

ओपेरा गार्डन & बेन्केवेट हाल, होटल एबेएन्स के पास, प्रताप नगर-भुवाना बायपास, उदयपुर.

संपर्क: राजकुमार फत्तावत: **94141 61279** अभिषेक संचेती: **94141 12980**

इच्छुक प्रत्याशी उक्त परिचय सम्मेलनों में सहभागिता हेतु
ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन : bjsmm.bjsapps.com पर शीघ्र करें

FJEI गतिविधियाँ

एफजेईआई, राजस्थान राज्यकार्यकारिणी सभा,
24 सितम्बर, 2017, जोधपुर

एफजेईआई, कर्नाटक राज्य अधिवेशन,
24 सितम्बर, 2017, बंगलौर

एफजेईआई-प्रिंसिपल सेमीनार,
16 सितम्बर, 2017, चेन्नई

पुणे की ढाई लाख छात्रायें होंगी सक्षम

पुणे जिला परिषद के माध्यम से भारतीय जैन संघटना के 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम की घोषणा

पुणे जिला परिषद के माध्यम से आठवीं से बारहवीं कक्षा में पढ़ने वाली 2,50,000 छात्राओं के सक्षमीकरण के लिये 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम का शुभारम्भ अल्पबचत भवन, पुणे में हुआ . हुआ. कार्यक्रम अध्यक्ष और पालक मंत्री श्री गिरीष बापट ने कहा कि सिर्फ दिखाने वाले बनने से अच्छा है कि परिवर्तन में सहभागी होना चाहिये. उन्होंने कहां कि मैं स्वयं ऐसे कार्यक्रमों को मदद करुंगा. भारतीय जैन संघटना का स्मार्ट गर्ल कार्यक्रम की यशस्विता के लिये समाज के हर घटक की जिम्मेदारी है.

सांसद सुप्रिया सुले ने कहा समाज में बढ़ रही अत्याचार की घटनाओं को नज़र में रखते हुए महिला सबलीकरण बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है. लड़कियों को करियर करने की इच्छा है लेकिन कुछ घटनाओं से उनका आत्मविश्वास कम हो जाता है. इसीलिए स्मार्ट गर्ल जैसे कार्यक्रमों की आवश्यकता है.

सांसद श्री अनिल शिरोले और राज्यमंत्री श्री विजय शिवतारे ने भी इन कार्यक्रमों को महत्वपूर्ण बताया. पुणे जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दौलत देसाई ने 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम क्रियान्वयन की रुपरेखा प्रस्तुत करते हुए बतलाया कि 3 माह की अवधि में यह लक्ष्य पूर्ण किया जायेगा. माध्यमिक विभाग के शिक्षणाधिकारी डॉ. गनपत मोरे ने आभार प्रदर्शन किया.

भारतीय जैन संघटना के संस्थापक श्री शांतीलाल मुथ्था, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख, जिला परिषद अध्यक्ष श्री विश्वास देवकाते, जिला मुख्याध्यापक संघ के अध्यक्ष श्री महेंद्र गणपुले, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दीपक चाटे, शिक्षणाधिकारी श्री हरून आतार, सुश्री शैलजा दराडे एवं पुणे जिलें के सभी विद्यालयों के मुख्याध्यापक उपस्थित रहे.

स्मार्ट गर्ल प्रशिक्षक प्रशिक्षण 25-26 सितम्बर,2017, WERC, पुणे (महाराष्ट्र)
प्रशिक्षणार्थी- 155, मुख्य प्रशिक्षक - श्री प्रफुल्ल पारख

स्मार्ट गर्ल प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशालाएं

स्मार्ट गर्ल प्रशिक्षक प्रशिक्षण, 13-14 सितम्बर, 2017
सतारा (महाराष्ट्र) प्रतिभागी - 43, मुख्य प्रशिक्षक - श्री प्रफुल्ल पारख

स्मार्ट गर्ल प्रशिक्षक प्रशिक्षण, 30 सितम्बर-1 अक्टूबर, 2017, चैन्नई (तमिलनाडु)
प्रशिक्षणार्थी-52 , मुख्य प्रशिक्षक - श्री राजेंद्र लुंकर, इरोड

स्मार्ट गर्ल कार्यशालाएं

स्मार्ट गर्ल कार्यशाला- सेलम (तमिलनाडू), 25-26 सितम्बर, 2017
प्रतिभागी संख्या- 42,प्रशिक्षक- डा.सचिन शर्मा (U.S.) व सुश्री उथारा, सेलम

स्मार्ट गर्ल कार्यशाला- वहलना (उत्तरप्रदेश), 9-10 सितम्बर, 2017
प्रतिभागी संख्या- 180, प्रशिक्षिका- सुश्री मृदुला जैन, शामली

स्मार्ट गर्ल कार्यशाला- बांदनवारा (राजस्थान), 17-18 सितम्बर, 2017
प्रतिभागी संख्या- 40, प्रशिक्षिका- सुश्री प्रीति जैन, बिजयनगर

स्मार्ट गर्ल कार्यशाला- आदिपुर (गुजरात), 7-8 सितम्बर, 2017
प्रतिभागी संख्या- 51, प्रशिक्षिका- सुश्री दीप्ती धर्मशी, गांधीधाम

ऑनलाईन आवेदन की अवधि बढ़ी

प्रधानमंत्री के 15 सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत अल्पसंख्यक मंत्रालय की अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजनाओं (1) प्री-मैट्रिक (2) पोस्ट- मैट्रिक एवं (3) मेरिट-कम-मीन्स हेतु नवीन (Fresh) एवं नवीनीकरण (Renewal) आवेदन की तिथि 30 सितंबर से बढ़ाकर 31 अक्टूबर, 2017 कर दी गई है. सभी जरूरतमंद विद्यार्थियों को सलाह है कि यदि उन्होने अभी तक आवेदन नहीं किया है तो इस बढ़ी हुई अवधि का लाभ लें. ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी तथा मार्गदर्शन के अभाव में आवेदन करने में असमर्थ रहते हैं. ऐसे सभी विद्यार्थी बीजेएस अल्पसँख्यक लाभ जन जागृति अभियान के राष्ट्रीय संयोजक श्री निरंजन जुंवा जैन, अहमदाबाद 9426517658 से सम्पर्क करें.

अब जारी होंगें अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र

मध्यप्रदेश राज्य में अल्पसंख्यक जैन समुदाय को अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र जारी करने हेतु राज्य सरकार व स्थानीय प्रशासन से गत अनेक वर्षों से मांग की जा रही थी.

प्रसन्नता का विषय है कि मध्यप्रदेश राज्य सरकार ने जैन समुदाय को अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र जारी करने के आदेश जारी किए हैं. प्रदेश के जैन समुदाय की स्थानीय संस्थाओं से प्रार्थना है कि प्रत्येक नगर/शहर के समाजनन को प्रमाणपत्र हेतु आवेदन संबंधी पद्धति स्थानीय प्रशासन से विचार-विमर्श कर समाजजन को सूचित करें.

ऑनलाईन आवेदन प्रक्रिया प्रशिक्षण, 20 सितम्बर, पुणे
प्रशिक्षक – श्री निरंजन जुंवा जैन, अहमदाबाद

अल्पसंख्याकता के लाभ कार्यक्रम, 17 सितम्बर, बाड़मेर
मार्गदर्शक – श्री निरंजन जुंवा जैन, अहमदाबाद

महाराष्ट्र राज्य में अल्पसंख्यकता के लाभ कार्यक्रमों का आयोजन

अल्पसंख्यकता के लाभ कार्यक्रम , 18 सितम्बर, शिन्द्खेडा
मार्गदर्शक – श्री कुशल बलडोटा, अकोला

अल्पसंख्यकता के लाभ कार्यक्रम , 16 सितम्बर, वरुड-अमरावती
मार्गदर्शक – श्री संजय आंचालियाँ, अमरावती

अल्पसंख्यकता के लाभ कार्यक्रम, 21 सितम्बर, मानगाँव
मार्गदर्शक – श्री रजनीश जैन,नागपुर

अल्पसंख्यकता के लाभ कार्यक्रम , 26 सितम्बर, चाँदवड-नाशिक
मार्गदर्शक – श्री बालचंद छाजेड, मालेगांव

गाँधी जयंती : 700 विद्यार्थियों का स्वच्छता अभियान

गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित स्वच्छता अभियान में भारतीय जैन संघटना के वाघोली स्थित पुनवर्सन प्रकल्प के आत्महत्याग्रस्त किसान परिवारों के 700 युवा विद्यार्थियों ने पुणे स्थित चतुर्श्रंगी माता मंदिर परिसर तथा सेनापति बापट मार्ग के लगभग 2 कि.मी. क्षेत्र को साफ़ करने में भाग लिया.

पुणे के पालकमंत्री श्री गिरीष बापट एवं बीजेएस के संस्थापक श्री शांतीलालजी मुथ्था, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख, चतुर्श्रंगी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. गंगाधर अनगल, कृष्णकुमार गोयल आदि ने स्वच्छता के इस अभियान में अपना सक्रीय योगदान दिया.

भारतीय जैन संघटना की ओर से

सभी समाज बंधुओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

शांतीलाल मुथ्था, संस्थापक

प्रफुल्ल पारख, राष्ट्रीय अध्यक्ष

सुरेशभाई कोठारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुदर्शन जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरेंद्र जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

राजेंद्र लुंकर, राष्ट्रीय महासचिव संजय सिंघी, राष्ट्रीय सचिव गौतम बाफना, राष्ट्रीय सचिव

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य

राकेश जैन
निरंजन जुंवा जैन
अनिल रांका
रजनीश जैन
राजकुमार फत्तावत

हस्तीमल बम्ब
ओमप्रकाश लुनावत
नंदकिशोर सांखला
साशा जैन

मालतीबेन मेहता
ज्ञानचंद आंचलिया
पारस ओसवाल
निर्मल बरडिया
राजेश खिवंसरा

राज्याध्यक्ष

अमर गांधी, महाराष्ट्र
सम्मति सिंघवी, राजस्थान
भैरवीबेन जैन, गुजरात
संजय जैन, हरियाणा

डॉ. शरद दोशी, मध्यप्रदेश
मनोज जैन, उत्तरप्रदेश
प्रमोद लुनावत, छत्तीसगढ़

दिनेश पालरेचा, कर्नाटक
राजेंद्र दुग्गड़, तमिलनाडू
नवरत्नमल गुंदेचा, तेलांगना
गौरव जैन, पंजाब

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Published on 7th of Every Month
Posted at Market Yard PSO, Pune On- 10th of Every Month

If undelivered Please Return To

BJS Bharatiya Jain Sanghatana
Level IV, Muttha Towers, Loop Road, Near Don Bosco Church, Yerawada, Pune 411006
Tel. : 020 4120 0600, 4128 0011, 4128 0012
Website: www.bjsindia.org **Email :** info@bjsindia.org **Facebook :** www.facebook.com / BJSIndiacommunity **Tweeter :** BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था टावर, लूप रोड, नियर डॉन वास्को चर्च, येरवडा, पुणे – 411006 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 41200600